NCERT के पाठ्यक्रम में 'वीर अब्दुल हमीद' पर अध्याय

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 'वीर अब्दुल हमी**द'** शीर्षक से एक अध्याय और '**राष्ट्रीय युद्ध स्मारक**' शीर्षक से एक कविता को कक्षा VI के **NCERT पाठ्यक्रम** में शामिल किया गया है।

NCERT पाठ्यपुस्तक में हुए परिवर्तनों से जुड़े प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **'वीर अब्दुल हमीद' पर अध्याय**: यह **कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार (CQMH) अब्दुल हमीद** को सम्मानित करता है। वह वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के एक युद्ध नायक हैं जिन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।
  - उनकी बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान की कहानी का उद्देश्य **छात्रों को देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण** के वास्तविक जीवन के उदाहरणों से प्रेरित करना है।
- **'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' पर कविता:** इसका उद्देश्य राष्ट्र के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले **सैनिकों को श्रद्धांजलि** देना तथा उनकी **बहादुरी के प्रति राष्ट्रीय गौरव एवं स्मरण की भावना को प्रोत्साहित करना है।**
  - राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्वतंत्रता के बाद हुए विभिन्न संघर्षों, संयुक्त राष्ट्र अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया अभियानों के दौरान हमारे सैनिकों द्वारा दिये गए **बलिदान** का **प्रमाण है।**
    - इसे **25 फरवरी, 2019 को** इंडिया गेट परिसर, नई दिल्ली में स्थापित किया गया।
- **NEP 2020 और NCF 2023 के अनुरूप:** ये परिवर्तन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) 2023 के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।
  - **NEP 2020** और **NCF 2023** समग्र शिक्षा पर ज़ोर देते हैं जो नैतिक मूल्यों, **देशभक्ति** तथा ज़िम्मेदार नागरिकों के विकास को प्रोत्साहित करती है।

वीर अब्दुल हमीद के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **अब्दुल हमीद के बारे में:** उन्होंने भारतीय सेना की **4 ग्रेनेडियर्स बटालियन** के साथ सेवा की और वर्ष **1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के** दौरान असल उत्तर की लड़ाई में भारत के रक्षा बल का हिस्सा थे।
- **असल उत्तर की लड़ाई:** असल उत्तर की लड़ाई सितंबर 1965 की शुरुआत में **पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास, खेमकरण शहर के** पास हुई थी।
  - पाकिस्तान का लक्ष्य भारत पर आक्रमण करना, **खेमकरण पर कब्जा करना** तथा अमृतसर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को अलग-थलग करने के लिये **व्यास नदी पुल की ओर बढ़ना था।**
  - बड़ी संख्या में बेहतर पैटन टैंकों का उपयोग करते हुए पाकिस्तान के आक्रमण ने भारतीय सेना को आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे शुरू में उन्हें पीछे हटने पर मज़बूर होना पड़ा।
    - यह वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के सबसे बड़े टैंक युद्धों में से एक थी।
- **अब्दुल हमीद की भूमिका: अब्दुल हमीद अमृतसर-खेम करण रोड** पर **चीमा गाँव** के पास तैनात थे , जहाँ वह दुश्मन के टैंकों को निशाना बनाने के लिये रिकोइललेस गन (Recoilless Guns) की एक टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे।
  - **10 सितंबर, 1965 को उन्होंने चार** पाकिस्तानी पैटन टैंक देखे, जिनमें से तीन को नष्ट कर दिया और एक को क्षतिग्रस्त कर दिया। बाद में दूसरे टैंक से हुई गोलीबारी में उनकी मृत्यु हो गई।
- **सम्मान:** उनकी मृत्यु का स्थान अब **युद्ध स्मारक का हिस्सा है।**
  - एक **पाकिस्तानी पैटन टैंक जिसे पर युद्ध के दौरान कब्ज़ा कर लिया गया था** भवन के प्रवेश द्वार पर स्थित है**,** जो युद्ध में लड़ने और शहीद होने वाले भारतीय सैनिकों के प्रति श्रद्धांजलि है।

//

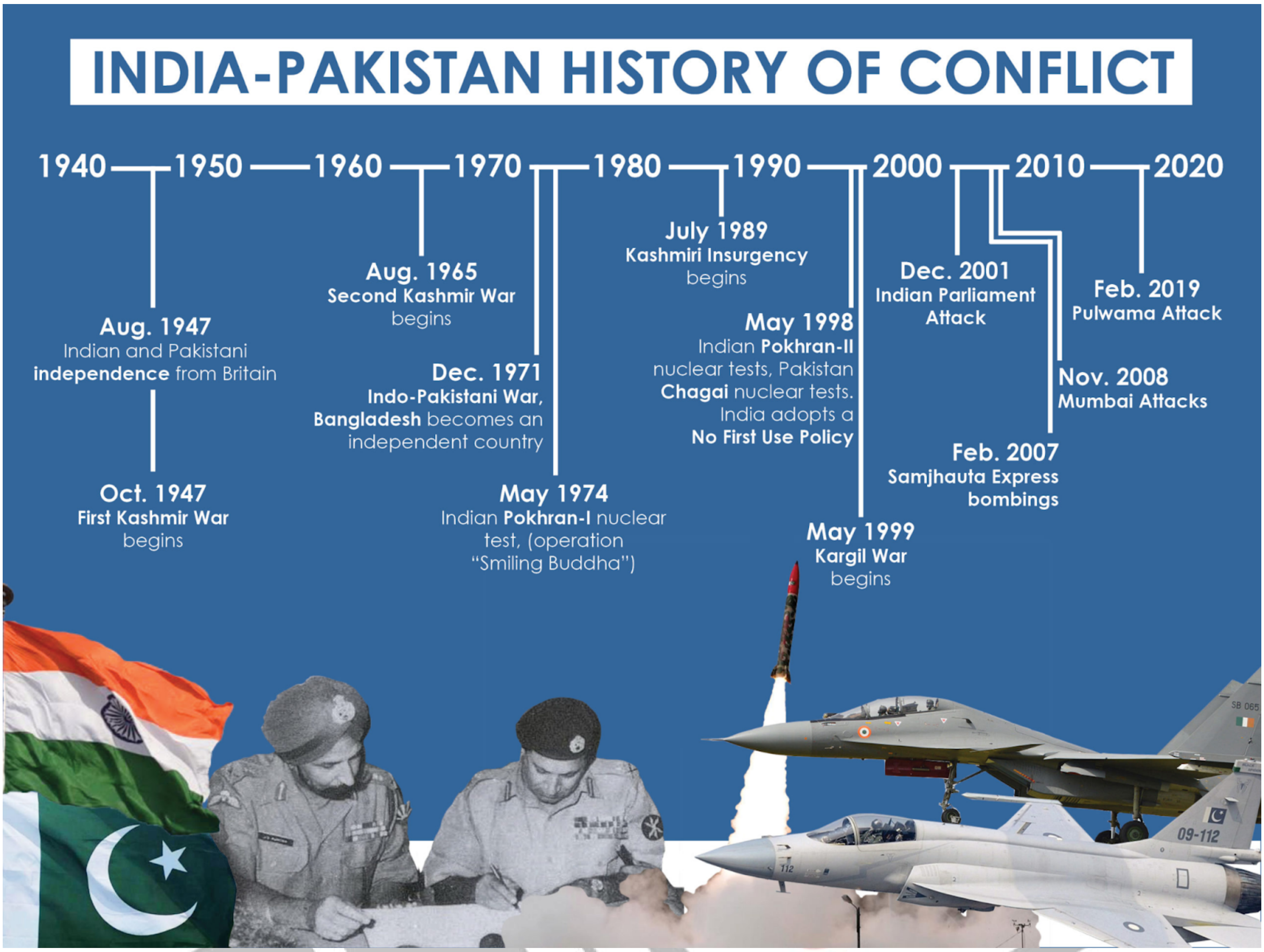

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ncert-chapter-on-veer-abdul-hameed